सांध्य दैनिक
4PM

मैं हमेशा इस बात को स्वीकार करने के लिए तैयार था कि मैं कुछ चीजें नहीं बदल सकता।
-अब्दुल कलाम

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 149 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 4 जुलाई, 2022

छह महीने से ज्यादा नहीं चलेगी शिंदे... 8 | विकास के साथ-साथ हिंदुत्व की... 3 | बुलंदशहर: टैंकर से टकराई मैक्स... 7

सीएम योगी ने अपने दूसरे कार्यकाल के सौ दिन का पेश किया रिपोर्ट कार्ड, बोले

सेवा, सुरक्षा और सुशासन के लिए समर्पित रही सरकार

» नई उड़ान के साथ पूरा कर रहे हैं विकास कार्य, प्रदेश को बनाएंगे देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

» प्रदेश में कानून का राज जनता से किए वादे कर रहे हैं पूरे, भाजपा को मिल रही जीत जनविश्वास का है प्रतीक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटो: सुमित कुमार

प्रदेश में बना निवेश का माहौल

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने 10 सेक्टरों को सूचीबद्ध किया जिसकी जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई जिससे निवेश से लेकर विकास के हर क्षेत्र में प्रदेश तेजी से आगे बढ़ सके। प्रदेश में पहली बार निवेश का माहौल बना है। प्रदेश में 80 हजार करोड़ रुपये की करीब 1400 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। प्रदेश में डाटा सेंटर हब बन रहा है। प्रदेश में नई डाटा सेंटर नीति लागू की। सूबे में चार डाटा सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आद्योगिक विकास हो रहा है। 100 दिनों में इंवेस्टर्स बढ़े। प्रदेश में डाटा पार्क बनने जा रहा है। इससे रोजगार मिलेगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक जनपद, एक उत्पाद योजना लागू किया है। आज बेहतर परिणाम देखने को मिल रहे हैं। इस योजना ने प्रदेश को एक्सपोर्ट का हब भी बनाया है।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लोक भवन में मीडिया के सामने अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल के सौ दिन के कामकाज का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के दूसरे कार्यकाल के सौ दिन जनता की सेवा, सुरक्षा और सुशासन को समर्पित रहे हैं। हमने जनता से जो वादे किए हैं वो पूरे किए। हम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर की बनाने के लिए काम कर रहे हैं, जिससे यूपी, देश का ग्रोथ इंजन बन सके। प्रदेश को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सरकार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें जो दूसरा कार्यकाल जनता ने दिया है, इसमें हम एक नई उड़ान के साथ अपनी यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रदेश में सारे कार्यक्रम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देने के लिए टीम वर्क से किए जा रहे हैं। हम पांच वर्ष के कार्यक्रम के संदर्भ ने 100 दिन की प्रगति को प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है। पहले प्रदेश दंगा और अराजकता के लिए जाना जाता था पर भाजपा सरकार में एक भी दंगा नहीं हुआ। प्रति व्यक्ति आय भी दोगुने के करीब हुई है। पिछले पांच साल में प्रदेश की जीडीपी दोगुनी हुई है। 2017 के पहले प्रदेश का बजट करीब तीन लाख करोड़ था जो अब 6 लाख 15 हजार करोड़ हो चुका है। बजट में 97 संकल्पों को लागू किया गया है। सरकार ने कर्मचारियों का भी ध्यान रखा और ई-पेंशन सेवा शुरू की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता जनार्दन ने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और निर्देशन में भाजपा गठबंधन को प्रचंड बहुमत देकर विश्वास जताया। भाजपा की जीत सरकार में जनविश्वास का प्रतीक है। इसके पहले सीएम ने एक पुस्तक का विमोचन भी किया।

पेशेवर अपराधियों और माफियाओं की संपत्ति हुई जब्त

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रदेश में 844 करोड़ की पेशेवर अपराधियों व माफियाओं की संपत्ति जब्त की है। 2017 के बाद से अब तक करीब 2925 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति जब्त की गई है। यह सरकार की अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति का परिणाम है।

अब मंत्री बताएंगे उपलब्धि

6 से 15 जुलाई तक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक सहित सभी मंत्री अपने-अपने विभागों की सौ दिन की उपलब्धियों के साथ आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत करेंगे।

अग्निपथ योजना पर सुनवाई को राजी सुप्रीम कोर्ट

» याचिकाकर्ता ने नोटिफिकेशन रद्द करने की उठायी मांग

» केंद्र सरकार ने भी दायर किया परिवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सेना में भर्ती के लिए लाई गई अग्निपथ योजना के विरोध में दायर अर्जी को सुप्रीम कोर्ट ने आज सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। शीर्ष अदालत अगले सप्ताह इस पर सुनवाई करेगी। वहीं याचिकाकर्ता ने अग्निपथ योजना के तहत जारी नोटिफिकेशन को रद्द करने की मांग की।

एडवोकेट एम.एल शर्मा ने यह अर्जी जस्टिस इंदिरा बनर्जी और जस्टिस जेके माहेश्वरी की वैकेशन बेंच के समक्ष दाखिल की गई है। वहीं केंद्र की ओर से एक परिवाद दाखिल किया गया है। इसमें सरकार ने कहा कि कोर्ट कोई भी फैसला सुनाने से पहले इस मसले पर उसका पक्ष भी सुन ले। गौरतलब है कि सरकार ने पिछले महीने, अग्निपथ योजना की घोषणा की थी। योजना के तहत साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष तक की उम्र के युवाओं को चार साल के लिए सशस्त्र बलों में शामिल किया जाएगा।

फ्लोर टेस्ट में एकनाथ पास, उद्धव गुट के दो और विधायक बागी

हासिल किया विश्वास मत, 164 विधायकों का मिला समर्थन

» विपक्ष को मिले 99 वोट कांग्रेस के पांच विधायक नहीं दे सके वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

व्हिप का मामला कोर्ट पहुंचा

महाराष्ट्र विधान सभा में बहुमत परीक्षण से पहले उद्धव ठाकरे गुट को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। उद्धव खेमे के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट में मामला उठाते हुए कहा कि पार्टी अभी उद्धव की है और स्पीकर को ये अधिकार नहीं है कि वह शिंदे गुट की ओर से जारी व्हिप को मान्यता दें। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामला हमारे पास है और इस पर 11 जुलाई को ही सुनवाई होगी।

महाराष्ट्र में ईडी यानी एकनाथ व देवेंद्र की है सरकार: फडणवीस

विश्वास मत जीतने के बाद राज्य के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने विधान सभा में अपना संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में ईडी की सरकार है। दरअसल, रविवार को महाराष्ट्र विधान सभा की कार्यवाही के दौरान विपक्षी सदस्यों ने ईडी-ईडी के नारे लगाए थे। फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में ईडी की सरकार है। ई का मतलब एकनाथ शिंदे और डी का मतलब देवेंद्र फडणवीस।

मुंबई। महाराष्ट्र विधान सभा में शिवसेना के बागी विधायक व नए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बहुमत हासिल कर लिया है। फ्लोर टेस्ट के दौरान उन्हें 164 विधायकों का समर्थन मिला जबकि विपक्ष को सिर्फ 99 वोट मिले। वहीं उद्धव गुट के दो और विधायक शिंदे गुट में शामिल हो गए।

एक दिन पहले नए विधान सभा अध्यक्ष को लेकर हुए मतदान के दौरान विपक्ष के समर्थन में 107 वोट पड़े थे। उद्धव गुट इस समर्थन को 24 घंटे भी बरकरार नहीं रख सका। फ्लोर टेस्ट से ठीक पहले शिवसेना के दो और विधायक टूटकर शिंदे गुट में शामिल हो गए। विधायक संतोष बांगड़ के अलावा विधायक श्याम सुंदर शिंदे ने भी एकनाथ शिंदे सरकार को वोट दिया। वहीं, बहुमत परीक्षण के दौरान कांग्रेस के पांच विधायक वोट नहीं कर पाए। ये सभी विधायक जब पहुंचे तब तक सदन के दरवाजे बंद हो चुके थे।

जौहर यूनिवर्सिटी केस में आजम खां की मुश्किलें बढ़ी

» बेटे अब्दुल्ला व फातिमा को ईडी ने किया अलग-अलग समय पर तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता सुप्रीम कोर्ट की जमानत पर बाहर आए आजम खान के परिवार की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। ईडी के सूत्रों की माने तो आजम खान की बेटी और पत्नी को 15 जुलाई से पहले अलग-अलग तारीख में राजधानी लखनऊ के ईडी के जोनल मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। जौहर यूनिवर्सिटी के नाम पर फंड जुटाने और ट्रांसफर किये गए रुपए को लेकर पूछताछ करेगी। जौहर यूनिवर्सिटी मामले में आजम के खिलाफ ईडी ने एक अगस्त 2019 को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया था।

रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी के मामले में ईडी ने आजम की पत्नी तंजीन फातिमा और पुत्र अब्दुल्ला आजम को समन देकर पूछताछ के लिए तलब किया है। उनसे जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण को लेकर बड़े पैमाने पर हुए फंड ट्रांसफर के साथ आजम के खिलाफ दर्ज किए गये आय से अधिक संपत्ति के मामले में भी गहन पूछताछ की जानी है। जेल में बंद होने के दौरान 20 सितंबर 2021 को ईडी की टीम ने सीतापुर जेल में दो दिन तक गहन पूछताछ भी की थी। साथ ही रामपुर जाकर वित्तीय अनियमितताओं की जांच की थी। जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण के लिए जो फंड जुटाया गया था, उसकी जांच में तंजीन फातिमा और अब्दुल्ला आजम की भूमिका संदिग्ध पायी गयी है। ईडी ने जौहर ट्रस्ट के साथ आजम और उनके परिजनों के तमाम बैंक खातों को भी खंगाला है। इसके बाद उनकी पत्नी और बेटे से पूछताछ की जानी है। दोनों से पूछताछ के बाद आजम के कुछ अन्य करीबी परिजनों को भी समन देकर पूछताछ को तलब करने की तैयारी की जा रही है। इसके अलावा आजम से जमीन खरीद-फरोख्त के मामले में पूछताछ की थी, जिससे आजम खान की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। हाल ही में आजम खान जेल से पैरोल पर छूटे हैं। आजम यूपी के सीतापुर जेल में वो 27 फरवरी 2020 से बंद थे। साल 2017 में यूपी में योगी सरकार के आने के बाद आजम खान के खिलाफ ऐसा कानूनी शिकंजा कसा कि एक के बाद एक कुल 89 मुकदमे दर्ज हो गए। 26 फरवरी 2020 को आजम रामपुर में गिरफ्तार हुए और 27 फरवरी 2020 से सीतापुर की जेल में बंद थे।

प्रदेश अध्यक्ष को छोड़कर सपा की सभी राष्ट्रीय व प्रदेश कार्यकारिणी भंग

» पार्टी का राष्ट्रीय सम्मेलन अगस्त के अंतिम सप्ताह में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल को छोड़कर अन्य सभी कार्यकारिणी भंग कर दी है। उन्होंने राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राज्य कार्यकारिणी के साथ ही लोहिया वाहिनी, छात्र सभा, यूथ ब्रिगेड सहित अन्य सभी फ्रंटल संगठनों की राष्ट्रीय व प्रदेश कार्यकारिणी को भंग कर दिया है। माना जा रहा है कि पार्टी कार्यपरिषद के सम्मेलन के बाद नए सिरे से कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। पार्टी का राष्ट्रीय सम्मेलन अगस्त के अंतिम सप्ताह अथवा सितंबर में होगा।

मालूम हो कि विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से ही कार्यकारिणी भंग करने की संभावना जताई जा रही थी। इस बीच पार्टी के विधायकों और चुनाव हारने वाले प्रत्याशियों के साथ दो दौर की समीक्षा बैठक हुई। समीक्षा बैठक के बाद अब राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सभी प्रदेश एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी को भंग करने की घोषणा की है। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम का पद अभी बहाल रखा गया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि प्रदेश अध्यक्ष पद पर भी बदलाव हो सकता है लेकिन जब तक नए प्रदेश अध्यक्ष की तलाश पूरी नहीं हो जाती है तब तक नरेश उत्तम पटेल कार्य करते रहेंगे। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में लोकसभा के उप चुनाव में दो मजबूत गढ़ गंवाने के बाद समाजवादी पार्टी की अब ओवरहालिंग की जा रही है। माना जा रहा है कि अब उत्तर प्रदेश के सभी संगठन का नए सिरे से गठन किया जाएगा। हाल ही में रामपुर और आजमगढ़ लोकसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे घोषित हुए। और दोनों ही सीटों पर सपा को हार का समना करना पड़ा। जहां आजमगढ़ सीट पर सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव को निरहुआ ने हराया तो वहीं आजम खां के गढ़ रामपुर से सपा प्रत्याशी आसिम राजा को भी हार का मुंह देखना पड़ा। और उन्हें भाजपा प्रत्याशी घनश्याम लोधी ने 42,192 वोटों से मात दी। इसके बाद से ही पार्टी में उपचुनाव में मिली हार और लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी को लेकर मंथन जारी है।

प्रयागराज कांग्रेस कार्यालय का किराया चुकाने को नेताओं ने मांगा चंदा

» बकाए में काटी जा चुकी है बिजली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस जितनी संगठनात्मक रूप से कमजोर है, उससे अधिक आर्थिक तंगी का भी उसे सामना करना पड़ रहा है। 31 साल से पार्टी शहर कांग्रेस के ऐतिहासिक कार्यालय का किराया चुकता नहीं कर सकी है। 6.12 लाख रुपये किराया चुकता करने के लिए पार्टी कार्यालय में मंथन तो हुआ ही, चंदा भी किया गया। किराया जमा करने के लिए कोर्ट ने पार्टी को 15 जुलाई तक का समय दिया गया है। बकाये अदा न करने पर कांग्रेस कार्यालय की हाल में ही बिजली भी काटी जा चुकी है। सोमवार को किराया चुकाने के लिए दफ्तर में चंदा किया गया। पार्टी की हुई बैठक में प्रदेश महासचिव मुकुंद तिवारी ने गंभीर चिंता जताई।

उनका कहना था कि इस ऐतिहासिक दफ्तर को हर हाल में हाथ से जाने नहीं दिया जाएगा। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने 50 हजार रुपये का चेक दिया तो कई नेताओं ने सौ-50 रुपये भी चंदे के रूप में जमा किए। इससे पहले प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से दो लाख रुपये दिए गए जा चुके हैं। इसे मिलाकर अब तक 2.60 लाख रुपये का संग्रह किया जा चुका है। इस कार्यालय को लेकर पार्टी इसलिए भी संजीदा है, क्योंकि इसमें कभी दिग्गजों की अध्यक्षता में बैठकें हुआ करती थीं। इसी दफ्तर से कांग्रेस कमेटी ने कई बड़े फैसले लिए थे। इलाहाबाद शहर कांग्रेस कमेटी की पहली अध्यक्ष कमला नेहरू थीं। इनके बाद पंडित जवाहर लाल नेहरू, पुरुषोत्तम दास टंडन, विश्वंभर नाथ पांडेय, मुजफ्फर हसन, इंदिरा गांधी भी इस शहर कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष रह चुकी हैं।

उन्नाव में भी आतंकी संगठन का अड्डा : साक्षी महाराज

» धमकी मिलने के बाद बीजेपी सांसद बोले, पूरे देश में लगे पीएफआई पर प्रतिबंध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उन्नाव। लखनऊ में जान से मारने की धमकी वाला पत्र मिलने पर उन्नाव के भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने कहा है कि पत्र में प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी का भी नाम है। आतंकी संगठन पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआई) का अड्डा उन्नाव में भी है। इस संगठन पर पूरे देश में प्रतिबंध लगना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने सबका साथ, सबका विकास पर जो अमल किया है, वह कुछ देश विरोधी ताकतों को रास नहीं आ रहा है। सुनियोजित ढंग से पूरे देश में विरोधी गतिविधियां बढ़ी हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या कर माहौल बिगाड़ा जा रहा है।

सरकार को इस पर कड़े कदम उठाना चाहिए। सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि किस पर विश्वास किया जाए। कमलेश तिवारी की हत्या मिलकर की गई, उदयपुर में कन्हैया की हत्या और अमरावती में उमेश को मिलकर मारा गया। स्थिति बहुत विपरीत है। कर्नाटक से वापस आ रहा हूं। दिल्ली पहुंचने के बाद केंद्र और प्रदेश सरकार को पत्र भेज कर सुरक्षा की मांग करूंगा। सांसद ने कहा कि कन्हैया की हत्या जिस खंजर से की गई थी, वह कानपुर से गया था। कानपुर, उन्नाव में कोई बड़ा अंतर नहीं है। पीएफआई ने पूर्व में वाट्सएप पर मेरी फोटो को क्रास कर कहा था कि यह अभी तक जिंदा कैसे है। कहा कि कानून इतना लचीला है कि मुझे सफीपुर से धमकी मिली। धमकी देने वाला पकड़ा गया और जेल से छूट भी गया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

सपा विधायक आरके वर्मा के घर तोड़फोड़, समर्थकों में गुस्सा

» कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतवानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रतापगढ़ के रानीगंज विधानसभा के निर्वाचित सपा विधायक आरके वर्मा के लखनऊ आवास पर तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। अराजक तत्वों ने लखनऊ के गौतमपल्ली स्थित सरकारी आवास का ताला तोड़कर तोड़फोड़ की। आवास में बने पाइप को उखाड़ दिया। विधायक ने मामले की शिकायत पुलिस से करते हुए गहरी साजिश की बात कही है। विधायक का लखनऊ के गौतमपल्ली थाना क्षेत्र के राजकीय गुलिस्ता कॉलोनी में सरकारी आवास है। उनका आरोप है कि रविवार दोपहर वह अपने सरकारी आवास पर पहुंचे तो देखा कि कमरे का ताला टूटा पड़ा था। अंदर दाखिल होने पर कमरे का सारा सामान अस्त-व्यस्त था। टोटियां टूटी हुई थीं।

विधायक ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आशंका जताई है कि साजिश के तहत वारदात को अंजाम दिया गया है। ऐसे लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाए। घटना की जानकारी मिलने पर प्रतापगढ़ में विधायकों के समर्थन में गहरा आक्रोश व्याप्त हो गया। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन करने पर बाध्य होंगे।

विकास के साथ-साथ हिंदुत्व की विरासत को आगे बढ़ा रही योगी सरकार

» पहले 100 दिन में हिन्दुत्व की विरासत आगे बढ़ाने का तय किया लक्ष्य

» धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार और सौन्दर्यीकरण का खाका तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल के सौ दिन पूरे हो रहे हैं। योगी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के सौ दिन का लक्ष्य पहले की तय कर रखा था। बीजेपी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले 100 दिन में विकास के साथ ही हिन्दुत्व की विरासत और संस्कृति को भी आगे बढ़ाने के बढ़े लक्ष्य तय कर दिए हैं। योगी सरकार जहां मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के वन गमन मार्ग अयोध्या से चित्रकूट के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं तो वहीं संगम नगरी प्रयागराज में जनवरी 2025 में आयोजित होने वाले महाकुंभ को लेकर भी तैयारियां अभी से शुरू कर दी गई हैं।

योगी सरकार ने महाकुंभ के पहले प्रयागराज के प्राचीन और पौराणिक महत्व के धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार और सौन्दर्यीकरण का खाका तैयार कर लिया है। योगी सरकार की तैयारी है कि इन प्रोजेक्ट्स पर जल्द काम शुरू हो ताकि महाकुंभ के आयोजन से पहले इन निर्माण कार्यों को पूरा किया जा सके। बता दें कि योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने वाले हैं। इन 100 दिनों में सरकार की ओर से लिए महत्वपूर्ण फैसले और तय की गई कार्ययोजना पर उपलब्धि के बारे में जनता को बताने की तैयारी की जा रही है। योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल का 100 दिन आज 4 जुलाई को पूरा हो रहा है। इस मौके पर सरकार उपलब्धियां और अपने काम बताने के लिए जनता के बीच पहुंचेगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अभी हाल ही में विभागीय मंत्रियों व आला अफसरों के साथ बैठक कर 100 दिन के लिए तय अजेंडे की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि तय लक्ष्य के बचे काम हर हाल में 30 जून तक पूरा कर लिया जाए। योगी ने कहा कि सरकार गठन के बाद 100 दिनों, 6 माह, 1 वर्ष, 2 वर्ष और 5 वर्ष की कार्ययोजना तय की गई हैं। पहले 100 दिन के लक्ष्यों की मुख्य सचिव बिंदुवार समीक्षा कर इसकी अपडेट रिपोर्ट दें।

इन कार्यों की प्रगति से जनता को अवगत कराया जाएगा। सभी मंत्री और जनप्रतिनिधि जनता के बीच होंगे। मंत्री अपने विभागों की उपलब्धियां बताने के साथ अगले 6 महीने के लक्ष्यों की भी जानकारी देंगे। वहीं अपने प्रभार वाले मंडलों में भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ जनता को अपना रिपोर्ट कार्ड देंगे। इसकी बुकलेट भी जनता को बांटी जाएगी।

पीपीपी मोड पर हो एक सीएचसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 100 दिन की कार्य योजना को लेकर अभी कुछ दिनों पहले कहा कि हर जिले में एक-एक सीएचसी को पीपीपी मोड पर संचालित किया जा सकता है। इस संबंध में विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें। मॉडल के रूप में इसे लागू किया जाए। हेल्थ एटीएम की स्थापना के लिए तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए। रिमोट एरिया में टेलिकन्सल्टेशन को और बढ़ावा दिया जाना चाहिए। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए विशेष रूप से कार्यक्रम तैयार की जा रही है।

क्या है योगी सरकार का मेगा प्लान

योगी सरकार ने 2019 में प्रयागराज में दिव्य और भव्य कुंभ आयोजित किया था, इसमें जहां 24 करोड़ लोगों ने आस्था की डुबकी लगायी थी। वहीं कई वर्ल्ड रिकार्ड भी इस कुंभ में बने थे। योगी सरकार ने कुंभ के आयोजन को लेकर बड़े पैमाने पर शहर में फ्लाईओवर, रेलवे अंडरपास, सड़क और चौराहों का चौड़ीकरण किया था। वहीं योगी सरकार अब 2025 के महाकुंभ के आयोजन को 2019 के कुंभ से भी बेहतर आयोजन करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए पर्यटन विभाग और प्रयागराज विकास प्राधिकण को प्रयागराज के प्राचीन और पौराणिक धार्मिक स्थलों को विकसित करने की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसमें द्वादश माध, नागवासुकी मंदिर, भारद्वाज आश्रम फेज टू, सोमेश्वर महादेश मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, तक्षक तीर्थ मंदिर के साथ ही दशाश्वमेघ घाट पर गंगा में पक्के घाट का निर्माण कराया जाना शामिल है। इनमें से कई योजनाओं का डीपीआर भी तैयार हो गया है, जबकि कई योजनाओं के डीपीआर बनाने पर अभी काम चल रहा है। साथ ही शहर की सड़कों और चौराहों के मरम्मतीकरण और सौन्दर्यीकरण का भी डीपीआर तैयार हो रहा है।

प्रदेश में खोयी सियासी जमीन हासिल करने में जुटी कांग्रेस, निकाय चुनावों में ठोकेगी ताल

» चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशियों से मांगे आवेदन

» साल-दर-साल चुनाव हारने से नेताओं में फैली निराशा को दूर करने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सियासी वनवास काट रही कांग्रेस अब निकाय चुनावों के जरिए अपनी जमीन पाने की कवायद में जुट गयी है। प्रदेश नेतृत्व ने निकाय चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशियों से आवेदन मांगे है। नेतृत्व को उम्मीद है कि इससे पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हो सकेगा।

चुनाव-दर-चुनाव में हार से हताश और निराश कांग्रेस पार्टी निकाय चुनावों के जरिए नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश भरकर खोती जा रही अपनी सियासी जमीन फिर हासिल करने की कोशिशों में जुट गई है। गलतियों से सबक लेते हुए संगठन ने पहले से ही प्रत्याशियों को चुनने की कवायद शुरू कर दी है। नगर निगम और स्थानीय निकाय चुनाव भले ही साल के आखिर में प्रस्तावित है लेकिन अगर कांग्रेस के चिन्ह पर चुनाव लड़ना है तो 15 जुलाई तक ही आवेदन करने का मौका है। आवेदन करने वालों को ही निकाय चुनाव में खड़े होने का मौका दिया जाएगा। विधान सभा चुनाव में बुरी तरह पराजित होने वाली कांग्रेस अब अपने वजूद के लिए लड़ रही है। लोक सभा और विधान सभा चुनाव में पार्टी की जो गत हुई उससे कोर वोटर भी छिटकता जा रहा है। कई छोटे-बड़े नेता भी दूसरी पार्टियों में अपना भविष्य तलाश रहे हैं। ऐसे में पार्टी रणनीतिकारों को लगता है कि लंबे समय से सत्ता से दूर और लगातार हार से निराश कांग्रेस कार्यकर्ताओं को फिर से खड़ा करने के लिए यही मौका है। वैसे भी कांग्रेस के पास खोने को कुछ नहीं है। कई चुनाव में कांग्रेस पार्टी मुख्य लड़ाई से बाहर है। ऐसे में संगठन ऐसे लोगों को तरजीह देने की बात कर रहा है जो लंबे समय से पार्टी के साथ जुड़े रहने के बावजूद किसी न किसी वजह से उपेक्षित हैं। कई वरिष्ठ नेता नाराज होकर दूसरी पार्टियों में चले गए या फिर घर बैठे हैं। निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस की कोशिश पुराने कार्यकर्ताओं को मनाने की होगी।

पुराने कार्यकर्ताओं पर फोकस

महानगर शहर अध्यक्ष दक्षिणी दिलप्रीत सिंह का कहना है कि निकाय चुनावों के लिए पार्टी ने पहले से तैयारी शुरू कर दी है। जो कार्यकर्ता निकाय चुनाव में खड़े होना चाहते हैं वह आवेदन कर सकते हैं। पार्टी पुराने कार्यकर्ताओं को भी मौका और सम्मान देगी। पूर्व महानगर अध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान का कहना है कि निकाय चुनाव के लिए अभी से तैयारी चल रही है। आवेदन के बाद संभावित प्रत्याशियों के द्वारा वार्ड स्तर पर बैठकों का आयोजन होगा जिसके आधार पर उम्मीदवार खड़े किए जाएंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बेरोजगारी-महंगाई की जुगलबंदी

देश में बेरोजगारी के साथ-साथ महंगाई का ग्राफ भी बढ़ता जा रहा है। हालात लगातार बदतर होते जा रहे हैं। एक ओर युवाओं को रोजी-रोजगार के साधन नहीं उपलब्ध हो पा रहे हैं तो दूसरी ओर महंगाई ने जनता की कमर तोड़ दी है। मांग-आपूर्ति में संतुलन बिगड़ गया है। इसका सीधा असर देश-प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। हैरानी की बात यह है कि इन दोनों समस्याओं का स्थायी हल आज तक नहीं निकाला जा सका है। सवाल यह है कि महंगाई और बेरोजगारी पर नियंत्रण लगाने में सरकार नाकाम क्यों है? अधिक से अधिक युवाओं को रोजी-रोजगार क्यों नहीं मिल पा रहे हैं? क्या सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों का विकास किए बिना बेरोजगारी की समस्या को हल किया जा सकता है? लोगों की क्रय शक्ति में तेजी से गिरावट क्यों आ रही है? क्या पेट्रोल-डीजल की कीमतों ने महंगाई को असहनीय बना दिया है? आखिर इस समस्याओं का स्थायी हल क्यों नहीं निकाला जा रहा है? क्या आर्थिक नीतियों की खामियों के कारण हालात खराब हुए हैं?

कोरोना महामारी ने देश की अर्थव्यवस्था को बेपटरी कर दिया है। लंबे लॉकडाउन के कारण छोटे कल-कारखानों के ठप पड़ जाने से लाखों लोगों की नौकरियां चली गयीं। यही नहीं छोटे-मोटे रोजगार करने वालों को भी दो जून की रोटी जुटाने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी। रही सही कसर रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण उत्पन्न तेल संकट ने पूरी कर दी। देश में पेट्रोल-डीजल के दामों में बेतहाशा इजाफा हो गया। इसके कारण खाद्य पदार्थों समेत अधिकांश वस्तुओं के दामों में वृद्धि हो गयी। आय के साधनों में कमी और वस्तुओं के दामों में वृद्धि ने आम आदमी को महंगाई के बोझ से पूरी तरह दबा दिया। रोजगार नहीं मिलने के कारण उनकी क्रय शक्ति लगातार घट रही है। इसने बाजार की मांग और आपूर्ति के संतुलन को बिगाड़ दिया है। लिहाजा अर्थव्यवस्था डांवाडोल हो चुकी है। हालांकि सरकार ने छोटे और मध्यम उद्यमियों को राहत पैकेज दिए लेकिन बेरोजगारों की इतनी बड़ी फौज के आगे यह नाममात्र का साबित हुई। इस दौरान भर्तियां तक नहीं हुईं। इसने भी युवाओं को हताश किया। इसके कारण देश में आज बेरोजगारी और महंगाई की जुगलबंदी जारी है और यह बड़े खतरे की घंटी से कम नहीं है। सरकार यदि बेरोजगारी और महंगाई को नियंत्रित करना चाहती है तो उसे अपनी आर्थिक नीतियों के केंद्र में बेरोजगारी को रखना होगा। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों का विस्तार करना होगा। इसके अलावा सरकारी नौकरियों की संख्या भी बढ़ानी होगी अन्यथा हालात बदतर हो जाएंगे।

`देश में बेरोजगारी के साथ-साथ महंगाई का ग्राफ भी बढ़ता जा रहा है। हालात लगातार बदतर होते जा रहे हैं। एक ओर युवाओं को रोजी-रोजगार के साधन नहीं उपलब्ध हो पा रहे हैं तो दूसरी ओर महंगाई ने जनता की कमर तोड़ दी है। मांग-आपूर्ति में संतुलन बिगड़ गया है। इसका सीधा असर देश-प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीतिक प्रतिबद्धताएं और राजधर्म

बिमल राय

पिछले विधान सभा चुनावों में दो-तिहाई बहुमत से जीतकर तीसरी बार बंगाल की सीएम बनीं ममता की गवर्नेंस को लेकर सवाल उठने लगे हैं। उनके रोम-रोम में वोट बैंक की खांटी राजनीति ने घर कर लिया है। राष्ट्र की सुरक्षा, कानून व व्यवस्था, नैतिकता, शुचिता जैसे मामलों में वे आक्रमक रही हैं। एक संवैधानिक पद पर रहते हुए लक्ष्मण रेखा का ध्यान रखना होता है क्योंकि वे बंगाल के 9 करोड़ से ज्यादा लोगों की सीएम हैं, केवल तृणमूल सर्मथकों की नहीं। हाल में आसनसोल में उन्होंने बयान दिया कि वे 21 जुलाई से भाजपा के खिलाफ जेहाद का ऐलान करेंगी।

तो क्या फिर भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ जंग शुरू होगी? सवाल है कि देश के मौजूदा माहौल को देखते हुए उन्हें जेहाद शब्द का प्रयोग करना चाहिए था? ममता इस्लामी इतिहास में एमए हैं मगर साथ में उन्होंने कानून की डिग्री भी ली है। जाहिर है उन्हें संवैधानिक प्रावधान मालूम होंगे। नुपुर शर्मा प्रकरण को लें। ममता नूपुर का नाम लिये बिना विधान सभा में 'हेट स्पीच' के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित कर चुकी हैं। वे देश की पहली मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने नूपुर की गिरफ्तारी की मांग की। इस मामले पर बंगाल में हुए बवाल को याद करें। 10 जून को कोलकाता-दिल्ली नेशनल हाईवे को 12 घंटे तक रोका गया। लोगों को जाम में फंसे एंबुलेंस में तड़पते रोगियों की सुध भी नहीं आयी। पूरे 10 घंटे तक पुलिस रास्ता खुलवाने में कामयाब नहीं हुई। सवाल है कि क्या पुलिस मजबूर थी? क्या उसे भीड़ पर कार्रवाई करने की मनाही थी? पहले भी हावड़ा जिले में ही सीएए और एनआरसी के मामले पर हिंसा का जो नंगा नाच हुआ था, उसे बंगाल का कोई नागरिक भूल नहीं सकता था। फिर रात 8 बजे सीएम ममता हाथ जोड़े प्रकट हुईं और उन्होंने मुस्लिम समुदाय से विनती की कि वे रास्ता खाली कर दें। दीदी ने यह सुझाव भी दिया कि लोग यूपी, गुजरात जाकर आंदोलन करें। एक दिन बाद 10 जून को शुक्रवार था और दीदी की विनती की परीक्षा होनी थी। पर ये क्या? हावड़ा और कोलकाता के राजमार्ग और दूसरी जगहों पर रास्ता व रेल रोकने और टायर जलाने का सिलसिला फिर शुरू हो गया। पथराव में एक दर्जन से ज्यादा पुलिसवाले घायल हो गये।

इसी दिन भाजपा का हावड़ा ग्रामीण जिला मुख्यालय फूंका और गाड़ियों को तोड़ दिया। यहीं पर राजधर्म या सुशासन का सवाल आता है। सरकारें क्या करें? दंगाइयों से

विनती करें या यूपी की तरह बुलडोजर चलाकर दंगाइयों को कड़ा सबक सिखाने का प्रयास करें। फिर ममता ने अग्निवीर भर्ती योजना को लालीपॉप बताते हुए यह तक कह दिया कि भाजपा अपना कैडर बढ़ाने के लिए यह योजना लाई है। यह भी कह दिया कि 4 साल बाद वे रिटायर होने के बाद भाजपा के लिए वोट लूटेंगे। समझिये, सेना के प्रति ऐसा सोच रखती हैं बंगाल की दीदी। 2 दिसंबर, 2006 की सनसनी को भी याद करें, जब ममता ने कहा था कि सूबे की सरकार को बिना बताये पश्चिम बंगाल सचिवालय और जिलों में सेना की तैनाती की गई है। उन्होंने इसे तख्तापलट की कोशिश बताया। मामले ने इतना तूल पकड़ा कि तत्कालीन रक्षा मंत्री मनोहर परिकर को संसद में कहना पड़ा था कि पुलिस अधिकारियों को इस अभ्यास की जानकारी थी। घुसपैठ और तमाम तरह की तस्करी रोकने के लिए बीएसएफ का दायरा जब अंतरराष्ट्रीय सीमा से 50 किलोमीटर तक तय किया गया तो न केवल उन्होंने इस कदम का विरोध किया बल्कि खुलेआम लोगों को देश के पहरेदारों के खिलाफ उकसाया। इसमें कोई शक नहीं कि बंगाल में सांप्रदायिक विभाजन की समस्या राजधर्म व गवर्नेंस से ही जुड़ी हुई है जिसको गंभीरता से लेने की जरूरत है। ममता पर तुष्टिकरण के आरोप यूं ही नहीं लगते, इसकी एक ठोस वजह है। पिछले विधान सभा चुनावों में तृणमूल को 47.9 और भाजपा को 38.1 प्रतिशत वोट मिले और इनकी सीटें क्रमश: 213 और 77 रहीं। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को 4.72 और कांग्रेस को लगभग 3 प्रतिशत वोट मिले थे। बंगाल पर 34 सालों तक राज करने वाली पार्टी का खाता नहीं खुला और यही हाल कांग्रेस का रहा। ध्रुवीकरण का खेला कुछ ऐसे खेला गया कि भाजपा को तृणमूल से महज 58 लाख 52 हजार 5 सौ 6 वोट ही कम मिले पर सीटों की संख्या के मामले में इतना अंतर आ गया। बंगाल में मुस्लिम वोटों का प्रतिशत 28 से 30 प्रतिशत के आसपास है। इस तरह ममता का 30 प्रतिशत वोट बैंक रिजर्व है। दुख की बात तो यह है कि तृणमूल में अटल बिहारी वाजपेयी जैसा कोई नेता नहीं जो एक सीएम को राजधर्म की याद दिला सके।

प्रयासों से दूर होगी नशा की समस्या

के.के. तलवार

नशाखोरी एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है, खासकर युवा पीढ़ी में। पंजाब इस समस्या की वजह से बुरे दौर से गुजर रहा है। पंजाब, जो कुछ दशक पहले तक महज एक नशीले पदार्थों की सप्लाई में 'आवागमन' का माध्यम था, अब खुद उपभोक्ता बन चुका है। नशे की आसान उपलब्धि, युवाओं में बेरोजगारी व प्रभावशाली प्रतिरोधक प्रयासों का न होना इस समस्या की बढ़ोतरी के मुख्य कारण हैं। फिर सीमापार से नशा पदार्थों की तस्करी करने वालों के खतरनाक मंसूबे अन्य अहम वजह है। इसे 'नशा-आतंकवाद' भी कहा जा सकता है जो युवाओं को अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। नशीले पदार्थों पर निर्भरता न केवल किसी के स्वास्थ्य पर असर डालती है बल्कि पूरे परिवार और समाज के सुचारु संचालन को प्रभावित करती है इसलिए यह मनो-सामाजिक और मेडिकल पहलू से गंभीर विषय है। पंजाब में इस समस्या से निबटने के प्रयासों के वांछित परिणाम नहीं मिल पाए। शायद अब समय आ गया है कि युद्ध की तरह लेकर अभिनव प्रयासों, अधिक प्रतिबद्धता और निष्ठा से इस गंभीर सामाजिक समस्या से पार पाया जाए।

नशाखोरी निवारण करने में मांग-आपूर्ति में कमी लाना और इसका शिकार बने या आदी बने लोगों की विशेष देखरेख और मदद करने वाला प्रबंधन भी शामिल है। इस सामाजिक बीमारी से निपटने में मांग और आपूर्ति में कमी लाना द्वि-आयामी कार्यवाही है जहां आपूर्ति की कमी बनाना कानून लागू करवाने वालों और जांच एजेंसियों के प्रयास पर निर्भर है वहीं मांग में कमी मुख्यत: प्रतिरोधक कोशिशों और सामाजिक एकजुटता से बन सकती है। मांग में कमी लाने को सामाजिक ताने-बाने व संस्कृति पर आधारित प्रतिबद्धता और नूतन प्रयासों की जरूरत है। अध्ययन बताते हैं कि शराब और अन्य नशों का सेवन करने में 16-21 साल का युवा वर्ग अधिक जिज्ञासु है और वे आसानी से खिंचे चले जाते हैं। चूंकि इस आयु वर्ग का अधिकांश समय उच्चतर विद्यालयों, कॉलेजों या घर में व्यतीत होता है इसलिए इन जगहों पर स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर शिक्षा विभाग और सामाजिक ताना-बाना अपने प्रयासों से नशे की मांग में कमी लाने हेतु जागृति बनाए।

राष्ट्रीय नशा मांग निवारण कार्यक्रम (डीडीआरपी) के तहत सूचना, संचेतना अभियान, शिक्षा और शिकार बने व्यक्ति की जल्द मदद करने वाले अवयव हैं। शराब और नशाखोरी पर केंद्र सरकार की योजनाओं को सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण मंत्रालय क्रियान्वित करता है। भारत में नशीले पदार्थों के सेवन की पैठ और तौर-तरीकों पर किए गए पहले राष्ट्रीय अध्ययन की रिपोर्ट फरवरी, 2019 में आई थी। इसके मुताबिक नशाखोरी में शराब का हिस्सा सबसे अधिक है। सामाजिक कल्याण मंत्रालय ने नशे की मांग में कमी लाने के लिए एक राष्ट्रीय कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन शुरू किया है। 'नशा मुक्त भारत अभियान' का उद्देश्य युवा लड़के-लड़कियों को इस लत के दुष्परिणामों पर केंद्रित वैध और सटीक जानकारी देते हुए नशे के खिलाफ प्रेरणा, जागरूकता और संवेदनशीलता बनाना है। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम को सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण मंत्रालय ने 15 अगस्त, 2020 के दिन शुरू किया था। मांग में कमी लाने के लिए सभी राज्यों को अपने स्थानीय विशिष्ट कारकों और सामाजिक व्यवहार पर आधारित योजना बनाने की जरूरत है। क्रियान्वयन में बृहत डीडीआरपी योजना और तमाम संबंधित पक्षों एवं मुख्य कार्यकारी अंग जैसे कि शिक्षा, संस्कृति और स्वास्थ्य विभागों के अलावा सामुदायिक नेताओं और बहु-एजेंसियों की पहल की जरूरत है। स्कूल-कॉलेज स्तर पर नशाखोरी के खिलाफ शिक्षा और जागरूकता बनाने को राज्यस्तरीय तरजीह दी जाए। यह जिम्मेवारी सामाजिक ज्ञान, मनोविज्ञान विषय के अध्यापकों के अतिरिक्त पेशेवर स्वास्थ्य कर्मियों को सौंपी जा सकती है। मांग में कमी लाने का अन्य पहलू नशीले पदार्थों तक पहुंच सीमित करना है। युवाओं की शराब तक पहुंच आसान न हो। हालांकि कानून के अनुसार 21 साल से कम के युवा शराब खरीद या सेवन नहीं कर सकते। किंतु दुर्भाग्यवश कानून लागू करवाने वाली प्रशासनिक इकाइयां इन रोकों का पालन कड़ाई से नहीं करवा पातीं हैं। सामाजिक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाना एक अन्य तरजीह हो। पंजाब सरकार द्वारा संगरूर में हाल ही में आयोजित की गई साइकिल रैली एक श्लाघायोग्य प्रयास है। इसी तरह मंत्रियों, सामाजिक नेता और वरिष्ठ राजकीय अफसरों की शिरकत इस पवित्र काम में होने के दूरगामी प्रभाव बनेंगे। इस किस्त के प्रयास जागरूकता और असर पैदा करते हैं और समाज की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देते हैं। शहर और गांव, दोनों जगह सामुदायिक भागीदारी बनाना मुख्य एजेंडा और ध्यान का केंद्र हो। नशे की ओर झुकाव में बेरोजगारी एक अन्य कारण है जो युवाओं को नशे की लत की ओर खींचता है। राज्यस्तर पर, कॉलेजों में नाना प्रकार के कौशल-आधारित कोर्स शुरू करने की जरूरत है, जिससे कि युवा पीढ़ी का रोजगार सुनिश्चित हो सके। कौशल युक्त युवाओं की सहायता हो और उन्हें न केवल राज्य और देशभर में रोजगार पाने में मार्गदर्शन किया जाए, बल्कि विदेशों में भी। डीडीआर कार्यक्रम की सफलता राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामुदायिक सहयोग पर निर्भर है। मांग और आपूर्ति में कमी लाने के प्रयास इस समस्या से निपटने में सफलता के लिए सबसे जरूरी हैं।

कहीं आप भी तो नहीं हो रहे हैं एंग्जाइटी डिसऑर्डर के शिकार

एंग्जायटी को हम अक्सर तनाव या डिप्रेशन के साथ जोड़ देते हैं, लेकिन काफी कम लोग यह जानते हैं कि इन दोनों में अंतर होता है। किसी भी बात का तनाव होना शरीर का एक नेचुरल रिएक्शन होता है, जिसे एंग्जायटी कहा जा सकता है। एंग्जायटी डिसऑर्डर दिमाग के सबसे सामान्य विकारों में से एक है। इसमें घबराहट या परेशानी होती है। किसी भी बात की चिंता अगर लगातार बनी रहे, तो वह आपके ऊपर हावी होने लगती है। इसका प्रभाव आपके दैनिक जीवन और रिश्तो पर पड़ सकता है, यही चिंता बढ़ कर एंग्जायटी डिसऑर्डर में तब्दील हो जाती है। एंग्जायटी डिसऑर्डर, एक आम मानसिक समस्या है, जिस के लक्षण हर व्यक्ति में अलग हो सकते हैं। एंग्जायटी डिसऑर्डर को समझना जरूरी है, ताकि आप उसका समाधान सही समय पर कर सकें।

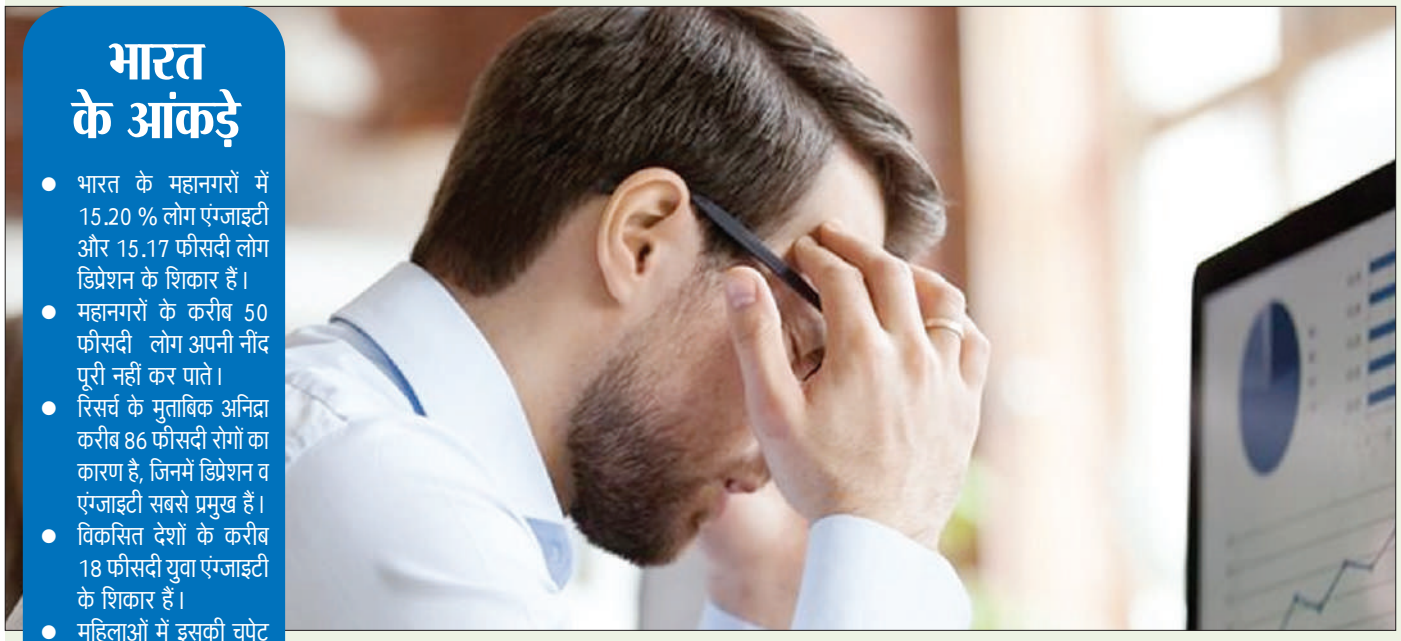

भारत के आंकड़े

- भारत के महानगरों में 15.20 % लोग एंग्जाइटी और 15.17 फीसदी लोग डिप्रेशन के शिकार हैं।
- महानगरों के करीब 50 फीसदी लोग अपनी नींद पूरी नहीं कर पाते।
- रिसर्च के मुताबिक अनिद्रा करीब 86 फीसदी रोगों का कारण है, जिनमें डिप्रेशन व एंग्जाइटी सबसे प्रमुख हैं।
- विकसित देशों के करीब 18 फीसदी युवा एंग्जाइटी के शिकार हैं।
- महिलाओं में इसकी चपेट में आने की आशंका पुरुषों के मुकाबले 60 फीसदी अधिक होती है।
- एक रिसर्च के अनुसार आठ फीसदी किशोर एंग्जाइटी के शिकार हैं, जिनमें से बहुत कम को ही मानसिक स्वास्थ्य देखभाल मिलती है।

लक्षण

- वेबएमडी के मुताबिक इसके मुख्य लक्षणों में तनाव होना देखा जाता है।
- व्यक्ति को लगातार घबराहट तनाव और बेचैनी महसूस होती है।
- हर समय नकारात्मक विचार और खतरे का अहसास होना।
- एक ही समस्या के बारे में बार-बार सोचते रहते हैं।
- साउंड स्लीप नहींमिलती या सोने में समस्या आती है।
- सामान्य से अधिक तेज सांस लेना या कई बार सांस लेने में समस्या होना।
- दिल में घबराहट होना, जी मिचलाना, सिर चकराना और मुंह का बार-बार सूखना।
- सामान्य स्थिति में भी हाथ या पैरों का ठंडा होना, पसीना आना या शरीर में झुनझुनी होना।
- किसी भी वक्त मन शांत ना रह पाना।
- किसी भी प्रकार से ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ होना।

एंग्जाइटी डिसऑर्डर के वैसे तो कई प्रकार हैं, लेकिन कुछ प्रमुख हैं जैसे

जनरलाइज्ड एंग्जाइटी डिसऑर्डर

इस डिसऑर्डर से पीड़ित लोगों को विभिन्न स्थितियों और घटनाओं के दौरान बहुत ज्यादा घबराहट और चिंता होती है। कई बार वे अपनी इस बेचैनी पर काबू भी नहीं रख पाते हैं। उनकी हालत इतनी खराब होने लगती है कि उन्हें लगता है कि शायद उन्हें हार्ट अटैक पड़ने वाला है या उनकी मौत होने वाली है। मरीज की ये हालत किसी खास समय या हालात में हो ऐसा जरूरी नहीं है। ये बिना वजह और कभी भी हो सकती है।

ऑब्सेसिव कम्पलसिव डिसऑर्डर

इस डिसऑर्डर से पीड़ित लोगों को लगातार ऐसे विचार आते रहते हैं, जिनसे उनकी बेचैनी बढ़ जाती है। वे इस हालात से राहत पाने के लिए एक ही तरह की हरकत दोहराते रहते हैं। जैसे उन्हें अगर ये लग गया कि उनके हाथ किसी के छूने से गंदे हो गए हैं तो वह लगातार अपने हाथ या घर के बर्तन धोते रहेंगे।

सोशल एंग्जाइटी डिसऑर्डर

सोशल एंग्जाइटी डिसऑर्डर से पीड़ति लोगों को सामाजिक या सार्वजनिक कार्यक्रमों में जाने से डर लगता है। उन्हें समाज में जाने से इसलिए डर लगने लगता है क्योंकि उन्हें लगता है कि लोग उनकी परीक्षा लेंगे और बाकी लोग उनका मजाक उड़ाएंगे। उन्हें इस बात का भी डर सताता है कि वे जो कुछ भी करेंगे उससे उनका अपमान होगा और उन्हें शर्मिंदगी उठानी पड़ेगी। ऐसे लोग रोजमर्रा की स्थितियों का सामना नहीं कर पाते हैं, जैसे कहीं बोलना, बातचीत करना या फिर सबके सामने भोजन करना।

पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर

बहुत ज्यादा तकलीफ, यातना या सदमे वाली किसी घटना से गुजरना, उसे देखना या फिर खुद पर कोई कोई जानलेवा हमला भी कुछ वक्त के बाद पीटीएसडी में तब्दील हो सकता है। इस समस्या से पीड़ति व्यक्ति को नींद नहीं आती है, वह ठीक से आराम भी नहीं कर पाता है। उसे लगातार पुरानी बातें बार-बार याद आती रहती हैं।

पैनिक डिसऑर्डर

इस समस्या के मरीजों में अचानक बहुत ज्यादा डर जाने की समस्या होती है। मरीज को चक्कर आते हैं। सांस लेने में समस्या होती है, बहुत ज्यादा पसीना आता है। कुछ मरीजों को ऐसा लगता है जैसे सब कुछ तबाह होने वाला है जबकि कुछ मरीजों को अपनी मौत का भय सताने लगता है। इन समस्याओं की कोई खास वजह नहीं होती है। इसके बाद भी मरीज इनके दोबारा आ जाने की चिंता से लगातार परेशान रहता है।

इलाज

इस समस्या से निजात पाई जा सकती है। लेकिन इस समस्या की गंभीरता को कम करके नहीं आंकना चाहिए। अगर इनमें से किसी एक लक्षण से आप या आपके परिचित पीड़ित हैं, तो सबसे अच्छा यही है कि सलाह और इलाज के लिए आप पेशेवर डॉक्टर की मदद लें। एंग्जाइटी का इलाज दवाओं, काउंसलिंग या दोनों के मिले-जुले इस्तेमाल से बेहद आसानी से किया जा सकता है। एंग्जाइटी की समस्या होने पर उसका हल ये नहीं हो सकता है कि आप उसे अंतिम सत्य मानकर बैठ जाएं। हिम्मत जुटाएं और समस्या का सामना करें। एक न एक दिन ये चिंता आपसे दूर हो जाएगी।

हंसना मना है

टीचर ने छात्र से कहा- हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद करो.. वाक्य- सड़क पर गोलियां चल रही थीं। बच्चों ने अनुवाद किया : द टेबलेट्स आर वॉकिंग ऑन द रोड। इसके बाद टीचर हो गई हैरान!

मोलू पहली बार हवाई यात्रा कर रहा था...एयर होस्टेस ने घोषणा की-सभी यात्री अपनी बेल्ट बांध लें। मोलू- मैंने तो पजामा पहन रखा है।

दो दोस्त आपस में बात करते हुए... रामू- मैं कभी भी ईट का जवाब पत्थर से नहीं देता। श्यामू- क्यों ? रामू- क्योंकि पत्थर खोजने में बहुत समय लग जाता है।

एक अमेरिकी डॉक्टर भारत आया। बस स्टैंड पर एक किताब देखते ही उसे दिल का दौरा पड़ गया. 20 रुपये की इस किताब का नाम था...30 दिन में डॉक्टर कैसे बनें!

बीवी ने पति का मोबाइल चेक किया और उसकी तरफ घूरते हुए पूछा-ये छगन हलवाई क्यों पूछ रहा है, खाना खाया या नहीं?

चिंटू- दुनिया में दो तरह के नेटवर्क ही सबसे तेज हैं.. मिंटू - कौन-कौन से? चिंटू- एक ईमेल और दूसरा फीमेल एक मिनट में इधर की बात उधर पहुंचा देती हैं!

कहानी — गुड़ियों का मेला

बच्चों दक्षिण भारत के कई राज्यों में नवरात्र के दिनों में गुडियों का दरबार लगाया जाता है। महिलाएं इस पर्व पर सुंदर और रंग-बिरंगे वस्त्रों से गुड़ियों को सजाती हैं। इसी पर्व से जुड़ा है एक रोचक प्रसंग। अर्जुन, बृहन्नला रूप में राजकुमारी उत्तरा के पास रहते थे। जब वे राजकुमार के सारथी बनकर युद्धक्षेत्र में जाने लगे तो राजकुमारी उत्तरा ने पूछा-आप कौरवों से युद्ध करने जा रहे हैं। क्या हमारे लिए भी कुछ लाएँगे? अर्जुन रूपी बृहन्नला ने हंसकर कहा- हाँ, युद्धक्षेत्र से जो मिल सकता है, वही माँग लीजिए। तब उत्तरा ने कहा-मैं अपनी गुड़ियों को दुर्योधन, कृपाचार्य, भीम, कर्ण, द्रोण व अश्वत्थामा जैसे योद्धाओं के वस्त्रों से सजाना चाहती हूं। अर्जुन ने वचन दिया और युद्ध करने चले गए। घमासान युद्ध हुआ। कौरव सेना उनके असाधारण बल के आगे टिक न सकी। उसने मुँह की खाई। प्रसन्न हृदय से अर्जुन लौट रहे थे। अचानक उत्तरा की माँग का स्मरण हुआ। वे उलटे पाँव युद्धभूमि में लौटे। अब समस्या गंभीर थी। भला जीवित शत्रु पक्ष के वस्त्र कैसे उतारे जाएँ? तब अर्जुन ने सम्मोहन अस्त्र का प्रयोग किया, जिससे सभी कौरव शूरवीर सम्मोहित हो गए। अर्जुन ने सबके जरीदार कौशेय उतार लिए और लाकर उत्तरा को सौंपे। उत्तरा उन्हें देखकर खुशी से नाच उठी। उसने विजय का समारोह मनाने के लिए सभी गुड़ियों को सजा दिया और उन्हें एक पंक्ति में खड़ा कर दिया। इस पंक्ति में देवी-देवताओं की कलात्मक मूर्तियाँ भी थीं। उसी दिन की याद में आज भी स्त्रियां यह पर्व मनाती हैं। इस समय कलाकारों की कला का उचित प्रदर्शन होता है और उन्हें प्रोत्साहन भी मिलता है।

5 अंतर खोजें

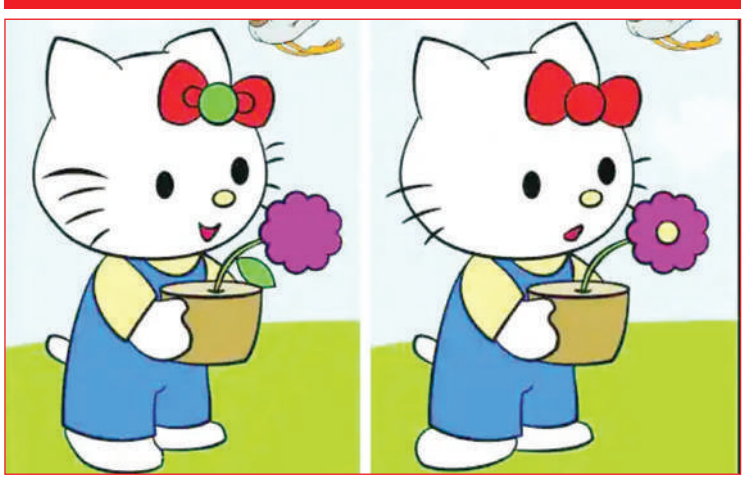

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज किस्मत आपके साथ रहने वाली है। कार्यक्षेत्र में आज कुछ नया करने की कोशिश करेंगे, काम धीरे-धीरे ही सही लेकिन पूरा जरुर हो जायेगा।

वृषभ — अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। घर से ज्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता-पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है।

मिथुन — आज का दिन अच्छा रहेगा। कामकाज में कई दिनों से चल रहा तनाव खत्म हो जायेगा। आज आप एकाग्रता से काम लें, आपकी समस्याएं समाप्त हो जायेंगी।

कर्क — योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फायदेमन्द साबित होंगे। फँसने से सावधान रहें। बच्चे और परिवार दिन का केंद्र-बिंदु रहेंगे।

सिंह — आज बिजनेसमैन के लिए दिन अच्छा है, सफलता के नए मार्ग खुलेंगे। अपनी सूझ-बूझ से आप सभी व्यावसायिक समस्याओं को आसानी से सॉल्व कर सकेंगे।

कन्या — अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई काम करें। क्योंकि आप जितनी ज्यादा बातें करेंगे, उतनी ही तकलीफ आपको होगी।

तुला — पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ताकत को सकारात्मक सोच और बातचीत के जरिए विकसित करें, ताकि आपके परिवार के लोगों को लाभ हो।

वृश्चिक — आज का दिन महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी। आज किसी अनजान पर भरोसा ना करें, कोई इसका गलत फायदा उठा सकता है।

धनु — असुविधा आपकी मानसिक शान्ति को खराब कर सकती है। अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। परिवार के सदस्यों की सलाह लेना जरूरी है।

मकर — दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। आप मानसिक तनाव महसूस कर सकते हैं। नया बिजनेस शुरू करने के लिए दिन अच्छा है, सफलता के नए मार्ग खुलेंगे।

कुम्भ — दूसरों के सफलता को सराहकर आप उसका लुत्फ ले सकते हैं। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली-भांति जाँच-पड़ताल कर लें।

मीन — आज कार्यक्षेत्र में कोई नई उपलब्धि मिलने के योग बन रहे हैं। आज कोई भी फैसला लेते समय अपने मन को शांत रखें, आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

उर्फी जावेद ने रणबीर कपूर की शमशेरा का किया प्रमोशन

टी वी एक्ट्रेस उर्फी जावेद ने अपने स्टाइल में रणबीर कपूर की फिल्म शमशेरा को प्रमोट किया है उर्फी जावेद को आखिर कौन नहीं जानता है? वह अपने फैशन सेंस के चलते हमेशा सुर्खियों में छाई रहती हैं। अब तो आलम ये है कि मोहतरमा बॉलीवुड की कई दिग्गज अभिनेत्रियों को पछाड़ कर 'एशिया की सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाले लोगों' में से एक बन गई हैं। उर्फी अपनी कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ रही हैं। हाल ही में उन्होंने मोस्ट अवेटेड फिल्म 'शमशेरा' का प्रमोशन किया है, वो भी अपने ग्लैमरस अंदाज में। उर्फी जावेद ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो की शुरुआत ब्लू कार से होती है, जिससे वह बॉस की तरह उतरती हैं और व्हाइट शॉर्ट ड्रेस में वह अपने लंबे बालों को लहराने लगती हैं। वीडियो के बैकग्राउंड में 'शमशेरा' का फेमस डायलॉग 'जो कहता था गुलामी किसी की अच्छी नहीं होती है और आजादी तुम्हें कोई देता नहीं, आजादी छिननी पड़ती है।' वीडियो में उर्फी का स्टाइल उनके चाहने वालों के सिर चढ़कर बोल रहा है। इसे शेयर करते हुए उर्फी जावेद ने कैप्शन में लिखा है। बात करें तो फिल्म शमशेरा की तो, यश राज फिल्म्स (के बैनर तले बनी फिल्म 'शमशेरा' का निर्देशन करण मल्होत्रा ने किया है। रणबीर कपूर, वाणी कपूर , संजय दत्त रोनित रॉय और 'आश्रम'की त्रिधा चौधरी फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। ये फिल्म 22 जुलाई 2022 को रिलीज होगी। फिल्म का ट्रेलर पहले से ही लोगों के दिलों पर जादू चला रहा है और लोग इसकी तुलना 'केजीएफ' से कर रहे हैं।

अब वेब सीरीज में धमाल मचाने को तैयार काजोल

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड की फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले कई सितारों ने ओटीटी प्लेटफॉर्म का रुख किया है। यहां भी उन्होंने अपना शानदार प्रदर्शन दिखाया है। अब लिस्ट में एक्ट्रेस काजोल का नाम भी जुड़ चुका है। यूं तो उन्होंने फिल्म त्रिभंगा से पहले ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर लिया है। अब वह वेब सीरीज में डेब्यू करने वाली हैं। काजोल लंबे समय से अपनी वेब सीरीज सलाम वेंकी को लेकर सुर्खियों में हैं। इस साल की शुरुआत में ही उन्होंने इस सीरीज का ऐलान किया था। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए काजोल ने लिखा आज हम एक नई कहानी की यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। यह एक कहानी है, जिसे लोगों को बताना चाहिए था, एक रास्ता जिसे लेना था और एक जीवन जिसे मनाया जाना था। हम इस अविश्वसनीय सच्ची कहानी को आपके साथ साझा करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। यह वेब सीरीज, डिज्नी हॉटस्टार के लिए बनाई जा रही है और इसे डायरेक्ट करेंगे द फैमिली मैन के लेखक सुपर्ण वर्मा। सलाम वेंकी की कहानी एक मां के संघर्ष को दर्शाएगी, जो कि परिस्थितियों से मजबूर होकर अपने बच्चों के लिए काम करने निकलती है। इसके बाद किस तरह वह राजनीति, क्राइम और परिवार के बीच में उलझेगी, इसी के इर्द गिर्द बुनी गई है इस सीरीज की कहानी। जानकारी के लिए बता दें कि, साल 2021 में आई फिल्म त्रिभंगा भी तीन पीढ़ियों की औरतों की कहानी थी। ऐसे में देखना होगा कि इस बार सलाम वेंकी में काजोल कितने अलग तरीके से पर्दे पर नजर आएंगी।

वरुण धवन और जान्हवी कपूर मिलकर करेंगे 'बवाल'

जान्हवी कपूर ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2018 में आई फिल्म धड़क से की थी। इस फिल्म में उनके अपोजिट ईशान खट्टर थे। फिल्म में इन दोनों की कमेस्ट्री को लोगों ने खूब सराहा। जान्हवी ने अभी तक कई फिल्में में अपने बेहतरीन अभिनय का परिचय दिया है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि जान्हवी कपूर एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं। उन्होंने धड़क, गुंजन सक्सेना और रूही जैसी फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग से ये साबित भी कर दिया है। अब जल्द ही जान्हवी कपूर फिल्म बवाल में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके को-स्टार हैं बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन। कुछ वक्त पहले जान्हवी कपूर ने अपने इंस्टा पर एक फोटो पोस्ट कि थी, जिसमें वह वरुण धवन की वाइफ नताशा दलाल के साथ मस्ती करती दिखाई दीं। जान्हवी कपूर ने की फ्रेंड्स के साथ मस्ती - इन दिनों वरुण धवन और जान्हवी कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म बवाल की शूटिंग में बीजी हैं। इस फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है। जान्हवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक फोटो शेयर की, जिसमें उन्होंने अपने कई दोस्तों को टैग किया है। इस तस्वीर में जान्हवी कपूर को वरुण धवन की वाइफ नताशा दलाल के अलावा कई दोस्तों के साथ चिल करते देखा जा सकता है। इस पिक में जान्हवी ने वाइट रंग की ड्रेस पहनी है, जबकि नताशा ने ब्लैक रंग की ड्रेस पहन रखी है। इस फोटो में जान्हवी सभी के साथ एंज्वॉय करती नजर आई। इस फोटो के कैप्शन पर लिखा है, 'जेके बोट पॉर्टी। इस पॉर्टी की तैयारी जान्हवी कपूर कई टाइम पहले से कर रही थीं। इस स्टोरी को शेयर करते हुए जान्हवी कपूर ने लिखा है कि तनावमुक्त होने के लिए धन्यवाद। फिल्म बवाल के अलावा जान्हवी कपूर की कई फिल्में पाइपलाइन में हैं।

अजब-गजब | खबर पता लगते ही मालिक के उड़ गए होश!

6000 किलोमीटर की यात्रा कर अंजान देश पहुंचा कबूतर

आपने फिल्मों में तो जरूर देखा होगा कि कैसे लोग अपने पालतू पक्षी, खासकर कबूतरों को अपना संदेश देकर किसी दूसरी जगह पर भेजते हैं। कबूतर भी बड़ी ही समझदारी से वहां तक यात्रा करते हैं और संदेश को पहुंचा देते हैं। मगर ये कहानी पूरी तरह से फिल्मी लगती है। हालांकि, अब ये कहानी सच हो गई है, बस फर्क इतना है कि इसमें कबूतर संदेश तो नहीं पहुंचाता पर इतनी दूर निकल जाता है कि जब उसके मालिक को उसके बारे में पता चलता है तो वो दंग रह जाता है।

डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार इंग्लैंड के एक शख्स और उसके पक्षी के साथ हैरान करने वाला वाकया हुआ जो अब सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। रिपोर्ट्स के अनुसार 60 साल के एलन टॉड ब्रिटेन के ब्लेडन, गेटशेड में रहते हैं। उनके पास एक कबूतर है जिसका नाम है बॉब पक्षी Guernse4 नाम के टापू से उड़ान भरकर अपने मालिक के पास इंग्लैंड जाने वाला था। ये पूरी यात्रा उसे लगभग 10 घंटे में तय करनी थी मगर जब वो घर नहीं पहुंचा तो एलन परेशान हो गए। काफी कोशिशों के बाद भी बॉब के बारे में कुछ नहीं पता चला। कुछ दिन बाद अमेरिका से एलन को एक मेल आया जिसमें बताया गया था कि बॉब एलाबामा में है। ये सुनकर एलन हैरान तो हुए मगर खुशी से झूम उठे। दरअसल, चिड़िया एक बुजुर्ग शख्स के गार्डेन में बैठी मिली और काफी भगाने के बाद भी वो नहीं भागी तो शख्स ने एक एनिमल चैरिटी ऑर्गनाइजेशन को फोन कर दिया। उन्होंने बॉब के गले में लगे बैंड और एक माइक्रोचिप से एलन को ट्रैक कर लिया और उसे मेल भेज दिया। एलन ने कहा कि उन्हें हैरानी है कि बॉब आखिर 6 हजार किलोमीटर से ज्यादा का सफर तय कर के कैसे वहां तक पहुंच गया। एलन ने कहा- मुझे लगा था कि बॉब आयरलैंड में है और वहां से लौट आएगा मगर जब वो नहीं लौटा तो मेरी चिंता बढ़ गई। उन्होंने कहा कि जब कबूतर खो जाते हैं तो चिंता होती है, लगता है कि उनके साथ क्या हुआ होगा। कई बार तो वो मर भी जाती हैं। एलन ने अंदाजा लगाया कि बॉब इंग्लिशन चैनल से उड़ान भरते वक्त तूफान में फंस गया होगा। तब उसे कोई नाव दिखी होगी जिसपर बैठकर वो अमेरिका तक पहुंच गया होगा। एलन ने कहा कि वो उसे घर लेकर आएंगे। हालांकि चिड़िया को लाने में एलन के 2.8 लाख रुपये तक खर्च हो सकते हैं।

सड़क पार करने के लिए बनी सफेद पट्टियों को जेब्रा क्रॉसिंग क्यों कहते हैं

जब भी किसी को सड़क पार करनी होती है तो वो सफेद पट्टियों के जरिए ही रास्तों को पार करते हैं। इन्हें आमतौर पर जेब्रा क्रॉसिंग कहा जाता है। ये क्रॉसिंग लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाए जाते हैं जिससे गाड़ी चलाने वाले लोगों को पता रहे कि उन्हें कहां पर गाड़ी की स्पीड धीमी करनी है और रोड क्रॉस करने वालों को पता रहे कि रास्ता कहां से क्रॉस करना है। मगर सवाल ये उठता है कि इन पट्टियों को जेब्रा क्रॉसिंग ही क्यों कहते हैं और ये काली-सफेद ही क्यों होती है? सबसे पहले आपको बताते हैं कि जेब्रा क्रॉसिंग नाम कैसे पड़ा। द हिन्दू वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार साल 1930 में इंग्लैंड में एक एक्सपेरिमेंटकिया गया। इंग्लैंड का ट्रैफिक बढ़ने लगा था जिसके चलते सड़कों पर जाम और अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो रही थी। तब यहां पर क्रॉसिंग बनाई गई। एक दिन सड़क पर ब्रिटिश मंत्री निकले जिन्हें उस क्रॉसिंग के निरीक्षण के लिए नियुक्त किया गया था। जब उन्होंने काले और सफेद रंग की क्रॉसिंग को देखा तो उसे जेब्रा प्रिंट बताया। तभी से क्रॉसिंग को जेब्रा क्रॉसिंग कहा जाने लगा। डामर से बनने वाली सड़कें काली होती हैं। ऐसे में जब उनपर सफेद धारियां प्रिंट की गई तो वो कंट्रास्ट में दिखने लगे। क्रॉसिंग बनाने से पहले कई रंगों का प्रयोग किया गया मगर सबसे उपयुक्त सफेद धारियां लग रही थीं क्योंकि उस पर चलने वाले लोग आसानी से नजर आ जा रहे थे। तब से इसे काला-सफेद माना जाने लगा। हालांकि कई देशों ने अपने हिसाब से क्रॉसिंग की डिजाइन या रंगों को चेंज कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक स्पेन में एक शहर है जिसमें पट्टियों की जगह पोल्का डॉट्स बना दिए गए हैं। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि उस इलाके की गायों के शरीर पर इसी तरह के डॉट्स होते थे। इसे काउ क्रॉसिंग कहा जाने लगा। हॉन्ग कॉन्ग में पीली पट्टियां बनाई गई हैं जिसे टाइगर क्रॉसिंग कहते हैं। अब अगर जेब्रा से जुड़ी बात हो ही रही है तो ये भी बता देते हैं कि जेब्रा के शरीर पर ऐसी धारियां क्यों होती हैं। जैसा की आप जानते होंगे कि प्रकृति ने कई प्राणियों को छलावरण की शक्ति दी है। वो अपने आसपास के माहौल में अपने रंग और रूप के कारण इस तरह से घुलमिल जाते हैं कि उन्हें देखकर लगता ही नहीं कि वो वहां मौजूद हैं। जेब्रा के प्रिंट भी काफी हद तक उन्हें मदद करते हैं हालांकि वैज्ञानिकों ने इन पट्टियों का अलग अंदाजा लगाया। उनका मानना है कि जेब्रा की 3 नस्लें ऐसी जगहों पर होती हैं जहां हॉर्स फ्लाय जैसे खतरनाक कीड़े पाए जाते हैं। एक एक्सपेरिमेंट में घोड़ों को काले और सफेद रंग से पेंट कर दिया गया। तब उन पर हॉर्स फ्लाय छोड़ी गई जो उनके शरीर पर बैठी ही नहीं या फिर टकराकर लौट गई।

बुलंदशहर : टैंकर से टकराई मैक्स तीन महिलाओं की मौत, आठ घायल

» मजदूरी कर लौट रहे थे बुलंदशहर, चार की हालत गंभीर

» पुलिस कर रही मामले की जांच, सीएम ने हादसे पर जताया दुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुलंदशहर। खुर्जा देहात थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 91 पर रविवार देर रात तेज रफ्तार अनियंत्रित टैंकर और मैक्स वाहन की टक्कर हो गई। हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई जबकि आठ अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है और घायलों के बेहतर उपचार के निर्देश दिए हैं।

खुर्जा स्थित एक पॉटरी से मजदूरी कर कुछ महिलाएं और पुरुष मैक्स में सवार होकर बुलंदशहर की तरफ जा रहे थे। हाईवे 91 पर मामन फ्लाईओवर के पास मैक्स वाहन को टैंकर ने टक्कर मार दी। हादसे में टैंकर सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने महिला रामवती (50) निवासी राधानगर, विमलेश (45) निवासी रामपुरा और रमा (55) निवासी राधानगर हाइडिल कॉलोनी को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिला जगवती (50) निवासी गांव रमपुरा, रामा (55) निवासी गांव रमपुरा थाना कोतवाली नगर, सुनीता (38) निवासी राधानगर और कुसुम (42) निवासी रमपुरा को गंभीर हालत में हायर मेडिकल सेंटर रेफर कर दिया गया है जबकि महिला रजनी (44) निवासी मोहल्ला साठ, सादिक (18) निवासी गांव इमलिया थाना औरंगाबाद, महिला कंछीदिया (50) निवासी गांव रमपुरा थाना नगर कोतवाली और सतीश (40) निवासी गांव सराय छबीला कोतवाली देहात को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बेकाबू बाइक खंती में गिरी, दो चचेरे भाइयों की मौत

हरदोई। जिले के टड़ियावां थाना क्षेत्र में टेनी मार्ग पर रविवार देर रात बाइक अनियंत्रित होकर खंती में जा गिरी। हादसे में दो चचेरे भाई व बहनोई गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया जहां डॉक्टरों ने चचेरे भाइयों को मृत घोषित कर दिया। टड़ियावा थाना क्षेत्र के ग्राम धर्मपुर निवासी दलगंजन (19) चचेरी भांजी की दवा लेने बाइक से टड़ियावां गया था। साथ में चचेरा भाई मिथुन (22) व फर्रुखाबाद निवासी बहनोई धीरू (25) भी था। देर रात तीनों दवा लेकर वापस जा रहे थे। बाइक मिथुन चला रहा था। रास्ते में टेनी मार्ग पर बाइक अनियंत्रित होकर खंती में जा गिरी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। यहां डॉक्टर ने दलगंजन व मिथुन को मृत घोषित कर दिया। धीरू का इलाज चल रहा है।

देश में फिर बढ़ा कोरोना

चौबीस घंटे में 16 हजार से अधिक संक्रमित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में उतार चढ़ाव का दौर जारी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में पिछले 24 घंटों के अंदर 16,135 नए केस मिले हैं और 24 लोगों की मौत दर्ज की गई है। रविवार के मुकाबले केसों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। रविवार को 16,103 नए मरीज संक्रमित मिले थे।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, डेली पॉजिटिविटी की दर 4.85 फीसदी है और एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर 1,13,864 हो गई है। रविवार को लगातार दो दिनों तक 17 हजार से ज्यादा केस मिलने के बाद नए मरीजों की संख्या घटी थी। रविवार 16,135 मरीज मिलने से पहले शनिवार को 17,092, शुक्रवार को 17,070 और 30 जून को 14,506 केस दर्ज किए गए थे। मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में कोरोना से 13958 लोग ठीक हुए हैं। सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में 3918, केरल में 3611 और तमिलनाडु में 1487 मरीजों ने कोरोना पर जीत हासिल की।

आगरा में दंपति की हत्या से सनसनी, हत्यारे फरार

» 15 लाख नगद और सोने-चांदी के जेवर लूटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। कस्बा पिनाहट में बदमाशों ने व्यापारी सुरेश चंद्र गुप्ता और उनकी पत्नी की हत्या कर लूट की वारदात को अंजाम दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। आशंका है कि बदमाश दीवार चढ़कर पहली मंजिल पर आए होंगे और वारदात के बाद घर के मुख्य गेट को खोलकर बाहर निकल गए। एक सीसीटीवी फुटेज भी मिली है, जिसमें संदिग्ध नजर आ रहे हैं।

सुरेश चंद्र गुप्ता और उनकी पत्नी घर में पहली मंजिल पर दो कमरों रहते थे। रविवार को उनके शव घर में पड़े मिले। मृतक के बेटे की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। उसने घर से 15 लाख रुपये नकद के अलावा 15 लाख रुपये से अधिक के सोने-चांदी के जेवरात लूटकर ले जाने की बात लिखी है। पड़ोसियों ने मुख्य दरवाजा खुला देखा था। इसके बाद घर के अंदर जाने पर वारदात का पता चला। कृष्णा देवी का शव फर्श पर पड़ा हुआ था। इससे यही लग रहा है कि उन्होंने गेट खोला होगा। उन्हें बदमाशों ने पकड़ लिया। सुरेश चंद्र गुप्ता का शव बेड पर था। उनकी सोते समय हत्या की गई होगी। हालांकि अभी पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इसके बाद ही स्थिति साफ होगी। वहीं मोहल्ले के लोगों ने बताया कि सुरेश चंद्र गुप्ता किसी अनजान व्यक्ति के लिए दरवाजा नहीं खोलते थे। पति-पत्नी रात के समय कम ही बाहर आते थे। किसी परिचित के आने पर ही दरवाजा खोलते थे।

साइबर अपराधियों ने सेवानिवृत्त दारोगा से की ठगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। साइबर अपराधियों ने ग्राहक सेवा प्रतिनिधि बनकर सेवानिवृत्त दारोगा शीलेश सिंह यादव के खाते से 44,439 रुपये पार कर दिए। उन्होंने साइबर क्राइम पोर्टल के हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत की। इसके बाद थाना सिकंदरा में धोखाधड़ी और आईटी एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है।

शीलेश सिंह यादव ने बताया कि उन्होंने फ्लिपकार्ट से एक प्लाजो खरीदा था। उसे रिटर्न करने के लिए 20 जून को कंपनी का कस्टमर केयर नंबर पर कई बार कॉल किया लेकिन रिसीव नहीं हुआ। बाद में एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने कहा कि अमित त्यागी बोल रहा है। उसने रिटर्न निवेदन पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। उसने मोबाइल पर एनी डेस्क एप डाउनलोड कराया। इसके बाद मैसेज कराकर खाते से दो बार में 44,439 की ठगी कर ली।

पीएसी जवान की पत्नी ने घर पर चस्पा किया

पुलिस और अपराधियों के डर से बिकाऊ है मकान का पोस्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

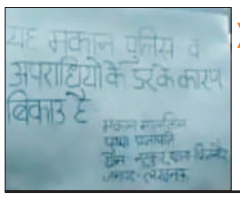

» पोस्टर वायरल मचा हड़कंप

लखनऊ। राजधानी में पीएसी जवान की पत्नी ने रविवार को अपने घर पर पोस्टर चस्पा कर दिया कि पुलिस और अपराधियों के डर से मकान बिकाऊ है...। सोशल मीडिया पर यह पोस्टर वायरल हुआ तो हड़कंप मचा।

बिजनौर थाना क्षेत्र के नटकुर गांव में रहने वाले पीएसी जवान रामदास प्रजापति की तैनाती इस समय दूसरी वाहिनी पीएसी सीतापुर में है। नटकुर में घर पर पत्नी पुष्पा अपने दो बेटों के साथ रहती है। रविवार को पुष्पा ने अपने घर के बाहर पुलिस और अपराधियों के डर से मकान बिकाऊ होने का पोस्टर लगा दिया। पुष्पा ने आरोप लगाया कि बजरंगी परिचित महिलाओं से बेवजह गाली-गलौज और मारपीट करवाता है। 30 मार्च को बजरंग सिंह और उसके साथियों ने उसके घर पत्थरबाजी की। उसके खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज की गई थी लेकिन मामूली कार्रवाई की गई। बजरंग सिंह उसके मकान पर कब्जा करना चाहता है। पुलिस कार्रवाई की बजाये उसकी मदद कर रही है। इंस्पेक्टर बिजनौर राजकुमार का कहना है कि जवान का परिवार ही अक्सर मारपीट करता है। पुलिस पहुंचती है तो अपशब्द कहते हैं। उसके खिलाफ कोर्ट से नोटिस जारी की गई है। पुलिस पर दबाव बनाने के लिये पोस्टर लगाया गया है।

अयोध्या : फिर अस्तित्व में आएंगे प्राचीन कुंड

सेटेलाइट सर्वे से की जा रही तलाश, कुंडों और सरोवरों से हटाया जाएगा अतिक्रमण

गीताश्री

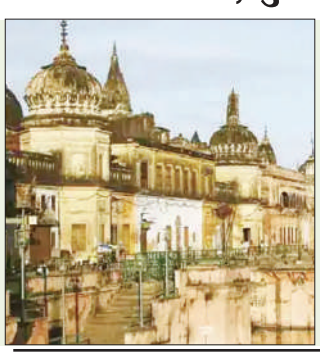

अयोध्या। भगवान रामलला के भव्य मंदिर निर्माण के साथ अयोध्या को उसके खोए स्वरूप को वापस देने की तैयारी है। इसके तहत जिला प्रशासन अयोध्या के प्राचीन कुंड और सरोवरों की तलाश में जुटा है। 2005 में हुए सेटेलाइट सर्वे में जितने भी कुंड और तालाब अस्तित्व में थे उन्हें दोबारा से अस्तित्व में लाने के लिए नगर निगम ने कवायद तेज कर दी है। अब कुंडों पर किए गए अतिक्रमण और भू माफियाओं के द्वारा बेचे गए कुंड पर घर बनाकर रह रहे लोग भी कार्रवाई की जद में आ गए हैं।

अयोध्या के संतों ने कहना है कि रामनगरी भगवान राम की जन्म स्थली है न कि कोई पिकनिक स्पॉट. यहां पर उसकी प्राचीनता आकर्षित होगी तभी ही लोग यहां आएंगे। संतों ने कहा कि भगवान की नगरी के कुंड और तालाबों पर अतिक्रमण कर अवैध कब्जे हुए हैं, जिसका परिणाम है कि कुंड विलुप्त होते जा रहे हैं। संतों ने मांग की है कि लोग जागरूक हों। सामाजिक संगठन आगे आएं और सरकार इस पर काम करे, जिससे कि राम नगरी की प्राचीनता बनी रहे। हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने कहा कि अयोध्या एक प्राचीन और पौराणिक जगह है इसका अस्तित्व खतरे में है और अस्तित्व को बचाने के लिए यहां मठ मंदिर प्राचीन कुंड और तालाब और पूज्य स्थल सुरक्षित रहेगा तभी आम जनमानस आएगा। सरकार और सामाजिक संस्थाओं से आवाहन किया है कि अयोध्या के प्राचीन कुंड और तालाबों को कैसे सुरक्षित रखा जाए इस पर आगे आगे काम करें। रामलला के प्रधान पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि राम नगरी के सभी कुंड प्राचीन और धार्मिक मान्यता वाले हैं जहां पर दर्शन पूजन से लाभ होता है। ऐसे कुंडों का संरक्षण और संवर्धन अत्यंत जरूरी है। सरकार अब इस पर काम कर रही है।

ये हैं उपेक्षित

अयोध्या। रामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के साथ रामनगरी को भले ही दुनिया की शीर्ष सांस्कृतिक नगरी के रूप में विकसित करने की तैयारी चल रही है लेकिन श्रीराम के ही समय के कई स्थलों को अभी भी अच्छे दिनों की प्रतीक्षा है। उपेक्षित पुरास्थलों में कई उसी रामकोट मुहल्ले के है, जिस मुहल्ले के 70 एकड़ परिसर में भव्य राम मंदिर निर्माण के साथ विश्व की सांस्कृतिक राजधानी की कल्पना फलीभूत होने को है। इन उपेक्षित स्थलों में लंकापति विभीषण के अयोध्या आगमन की स्मृति जीवंत करने वाला विभीषण कुंड, उनके पुत्र मत्तगजेंद्र का टीला, हनुमान जी के पिता केशरी, किष्किंधा नरेश के मंत्री जांबवान अथवा जामवंत, एक अन्य वानर वीर द्विविद का टीला है। यह सभी त्रेतायुगीन पात्र लंका विजय के बाद श्रीराम के साथ अयोध्या आए थे और अयोध्या की रम्यता में लंबा समय गुजारने के साथ राक्षसों से युद्ध की थकान उतारी थी। विभीषण के नाम से बना सरोवर पहली नजर में ही उपेक्षा बयां करता है तो कुंड के किनारे लगी लंकापति की प्रतिमा कला की दृष्टि से कामचलाऊ होने के साथ रख-रखाव का भी संकट बताती है।

देश के खिलाफ आतंकवादियों का बीजेपी कर रही उपयोग : संजय

» देश की व्यवस्था फरमान से नहीं, भारतीय संविधान से चलेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी व सांसद संजय सिंह ने उदयपुर की घटना को लेकर भाजपा पर ट्वीट के जरिए निशाना साधा है। उन्होंने कहा देश के खिलाफ आतंकवादियों का बीजेपी उपयोग कर रही है। उदयपुर के आरोपियों की फोटो इस बात का गवाह है कि कन्हैया का हत्यारा रियाज बीजेपी मेंबर था। लोकसभा चुनाव से पहले उसने पार्टी की सदस्यता ली।

आरोप लगाया कि बीजेपी अपनी पार्टी में अनैतिक लोगों को शामिल कर रही है। उन्होंने कहा राजस्थान में आतंकवादियों से बीजेपी के रिश्ते की जांच संयुक्त संसदीय कमेटी जेपीसी से कराई जानी चाहिए। क्योंकि उदयपुर की घटना बेहद गंभीर थी। वहीं आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश में संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने के लिए लगभग 1000 स्थानों पर एक साथ तिरंगा शाखा का आयोजन शुरू कर दिया है। आप सांसद ने कहा कि हम लोग हर वर्ष गणतंत्र दिवस मनाते है और साथ ही संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हैं। उन्होंने देश के संविधान को भारत के लोगों ने अंगीकार किया।

कहा, देश की व्यवस्था किसी के फरमान से नहीं, बल्कि डॉ. भीमराव आंबेडकर के बनाए भारतीय संविधान से चलेगी। प्रदेश प्रभारी सिंह ने कहा कि आजादी के बाद से ऐसे कई मौके सामने आ चुके हैं जब हमें महसूस हुआ कि भारत का संविधान, भारत का लोकतंत्र और भारत की सामाजिक व्यवस्था खतरे में है। लेकिन यह बाबा साहब का बनाया संविधान ही था जिसने भारत के लोकतंत्र को बचाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल और सत्ता तो आती जाती रहेंगी लेकिन, बाबा साहब ने संविधान लिख कर पहले ही बता दिया कि यह देश किस व्यवस्था से किन कानूनों से चलेगा। इस दौरान संजय सिंह ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना को पढ़ा, जिसे वहां उपस्थित अन्य लोगों ने दोहराया।

बता दें कि आम आदमी पार्टी (आप) ने उत्तर प्रदेश को आठ प्रांत में बांटकर संगठन विस्तार का काम तेज कर दिया है। सभी आठ प्रांत के अध्यक्ष, चार जोन के प्रभारी व तीन प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्षों के नाम की बुधवार को घोषणा की गई है। यूपी प्रभारी व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने बताया कि अभी तक सात हजार वार्ड प्रभारी बनाए जा चुके हैं।

कुल्लू में खाई में गिरी बस, स्कूली बच्चों समेत 16 लोगों की मौत

» पीएम मोदी व प्रियंका गांधी ने दुख जताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में बड़ा बस हादसा हुआ है। कुल्लू में आज सुबह सैंज घाटी में एक बस खाई में गिर गई है। बस में 45 लोग सवार बताये जा रहे हैं, इसमें से 16 लोगों की अब तक मौत हो चुकी है। बस में कुछ बच्चे भी मौजूद थे जो कि स्कूल जा रहे थे। यह प्राइवेट बस रास्ते से गुजरते हुए सड़क से नीचे खाई में जा गिरी। यह बस सैंज घाटी के शेंशर से सैंज की ओर आ रही थी। उसी दौरानकैंची मोड में यह बस अनियंत्रित हो गई और सड़क से नीचे खाई में जा गिरी।

एसपी कुल्लू गुरदेव ने बताया कि बस दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली है और पुलिस टीम को रवाना कर दिया गया है। हादसे पर पीएम मोदी ने भी ट्वीट किया कि हिमाचल के कुल्लू में हुआ बस हादसा दिल दहला देने वाला है। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मुझे उम्मीद है कि जो घायल हुए हैं वे जल्द से जल्द ठीक हो जाएंगे। हादसे में जान गंवाने वालों के परिवार को प्रधानमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की आर्थिक मदद का ऐलान किया गया है। वहीं कांग्रेस महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी ने भी हादसे पर दुख जताया है।

अगले चुनाव में जनता बीजेपी के लिए बुलडोजर साबित होगी : ममता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बोलीं कि उद्धव सरकार को गिराने के लिए शिवसेना के बागी विधायकों को पैसे के अलावा और भी कुछ दिया गया। ममता ने कहा कि शिंदे सरकार अवैध है, उन्होंने सरकार जीती लेकिन महाराष्ट्र का दिल नहीं जीता।

उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए यहां तक कह दिया कि अगले चुनाव में देश की जनता बीजेपी के लिए बुलडोजर साबित होगी। ममता ने केंद्र और बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता तुमको बुलडोज कर देगी। जनता लोकतांत्रिक तरीके से बीजेपी को बुलडोज (हटाएगी) करेगी।

छह महीने से ज्यादा नहीं चलेगी शिंदे सरकार: पवार

» महाराष्ट्र सरकार कुछ ही महीनों में गिरेगी, होंगे मध्यावधि चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के नए सीएम एकनाथ शिंदे पर शरद पवार ने बड़ा हमला बोला है। एनसीपी प्रमुख और सीनियर नेता शरद पवार ने दावा किया कि शिंदे सरकार छह महीने से ज्यादा नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि शिंदे को मध्यावधि चुनाव के लिए तैयार रहना चाहिए।

शरद पवार ने यह दावा एनसीपी विधायकों और अन्य नेताओं से बातचीत के दौरान किया। उन्होंने कहा राज्य में बनी नई सरकार अगले छह महीनों में गिर सकती है। ऐसे में सभी को मध्यावधि चुनाव के लिए तैयार रहना चाहिए। पवार बोले कि शिंदे के साथ जो बागी विधायक हैं उनसे में बहुत से मौजूदा व्यवस्था से खुश नहीं हैं, जैसे ही मंत्रालय बांटे जाएंगे तो सब बाहर आ जाएगा। इसका नतीजा यही होगा कि सरकार गिर जाएगी। विधायक ने बताया कि शरद पवार ने मीटिंग में उम्मीद जताई कि बागी विधायक वापस पार्टी में लौटकर आएंगे।

विधायक के मुताबिक पवार ने कहा कि हमारे पास ज्यादा से ज्यादा छह महीने हैं, ऐसे में एनसीपी विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा वक्त गुजारें। लोगों की जनसमस्याओं पर फोकस करें और उन्हें अपनी सरकार के फायदे बताएं। बता दें कि महाराष्ट्र में शिवसेना दो धड़ों में बंट गई है। इसकी वजह से महाविकास अघाड़ी सरकार गिर गई और सीएम उद्धव को इस्तीफा देना पड़ा। इसके बाद बीजेपी ने शिवसेना के बागी विधायकों के साथ मिलकर सरकार बना ली। इसमें एकनाथ शिंदे को सीएम बनाया गया है, वहीं देवेंद्र फडणवीस को डिप्टी सीएम का पद दिया गया है।

हम फिर से चुनकर आएंगे, गठबंधन अस्थाई

संजय राउत ने कहा कि भाजपा और शिंदे गुट का गठबंधन एक अस्थायी व्यवस्था है, वे लोगों के पास नहीं जा सकेंगे। वे जब शिवसेना में थे तब शेर थे लेकिन अब डर के मारे सुरक्षा के साथ घुम रहे हैं। राउत ने कहा कि हमारी पार्टी कमजोर नहीं होगी। लोग आते है जाते हैं। राउत ने बागी नेताओं के बारे में कहा कि उन्होंने हमारी पार्टी में शामिल होने का विकल्प चुना और बाहरी ताकतों के कारण चले गए। हम गांवों में जाएंगे, अन्य लोगों को अपनी पार्टी में शामिल करेंगे। हमें भरोसा है कि हम लोग दोबारा चुनकर आएंगे। राउत ने कहा कि बदले की भावना से हमारी पार्टी को तोड़ी गई है। पार्टी को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। राउत ने कहा कि विधायकों का जाना अस्थायी है। वे धोखा खाने के बाद फिर से मूल पार्टी में लौटकर आएंगे।

मोस्ट इंस्पायरिंग ऑर्थोपेडिक सर्जन ऑफ इंडिया अवार्ड से नवाजे गए डॉ. संजय

» ऑर्थोपेडिक सर्जरी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए किया गया सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। डॉक्टर्स डे की पूर्व संध्या पर इकोनॉमिक टाइम्स ने नयी दिल्ली के हयात रीजेंसी में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. संजय कुमार श्रीवास्तव को मोस्ट इंस्पायरिंग ऑर्थोपेडिक सर्जन ऑफ इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया। यह पुरस्कार अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान करने वाले चिकित्सकों को दिया जाता है।

डॉ. संजय कुमार श्रीवास्तव को पूरे भारत के 20 हड्डी रोग सर्जनों के साथ मोस्ट इंस्पायरिंग ऑर्थोपेडिक सर्जन ऑफ इंडिया अवार्ड दिया गया। डॉ. संजय ने न केवल ऑर्थोपेडिक सर्जरी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है बल्कि अपने रोगियों और साथी विशेषज्ञों के बीच एक अलग पहचान बनाई है। इस मौके पर तेलंगाना के राज्यपाल डॉ. तमिलसाई, पांडिचेरी की लेफ्टिनेंट गवर्नर किरण बेदी, कैबिनेट मंत्री अनुप्रिया पटेल, स्वास्थ्य मंत्री बिहार मंगल पांडेय और लेखक निर्देशक ताहिरा कश्यप खुराना मौजूद रही।

डॉ. संजय कुमार श्रीवास्तव

चिकित्सा रत्न अवार्ड से भी हुए सम्मानित

आईएमए में आयोजित एक समारोह में डॉ. नीरज बोरा ने डॉ. संजय कुमार श्रीवास्तव और उनकी पत्नी डॉ. रुपाली, एमडी रेडियस अस्पताल को चिकित्सा रत्न अवार्ड से सम्मानित किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।